बुधवार
12 जुलाई 2023

पृष्ठ 4

सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं दांत

पृष्ठ 5

फिल्म नीयत में जासूस बनी हैं विद्या बालन

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 157
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

पुष्प की सुगंध वायु के विपरीत कभी नहीं जाती लेकिन मानव के सदगुण की महक सब ओर फैल जाती है।

– गौतम बुद्ध

धुआंधार बारिश से जनजीवन तहस-नहस

मौसम के रेड अलर्ट से उड़ी शासन-प्रशासन की नींद

विशेष संवाददाता

देहरादून। आसमान से बरस रही आफत ने उत्तराखंड का जनजीवन को तहस-नहस कर डाला है बीते 3 दिनों से लगातार हो रही बारिश से पहाड़ दरक रहे हैं व नदी नाले उफान पर है। सड़कों पर आवागमन ठप हो गया है बिजली पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। बिगड़ते हालात के मद्देनजर शासन-प्रशासन द्वारा लोगों से यात्रा पर न जाने की अपील की जा रही है और घरों में ही रहने को कहा जा रहा है। हिमाचल तथा राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए तथा सीएम पुष्कर सिंह धामी द्वारा आपदा राहत के लिए तैनात टीमों और पुलिस विभाग को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। वह आज शाम को आपदा राहत विभाग और अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा बैठक भी करने जा रहे हैं।

❑आपदा राहत टीमें व पुलिस विभाग को किया अलर्ट

उत्तराखंड राज्य में अतिवृष्टि के कारण अब हालात और अधिक बिगड़ते दिख रहे हैं मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार राज्य के 8 जिलों में 13 से 15 जून के बीच भारी से भी भारी बारिश होने के मद्देनजर रेड अलर्ट और 5 जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किए जाने से शासन प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण अब तक भारी नुकसान हुआ है। राज्य के 26 राजमार्ग और राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 323 सड़कों के बंद होने

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

8 जिलों में रेड व 5 में ऑरेंज अलर्ट

देहरादून। मौसम विभाग द्वारा हालांकि 13-14 जुलाई को राज्य में मौसम में थोड़े सुधार की बात कही गई है लेकिन 15-16 जुलाई को राज्य के 8 जिलों में भारी से भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है इन जिलों में अल्मोड़ा, नैनीताल, पौड़ी, पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर, चंपावत, चमोली व बागेश्वर आदि शामिल है जबकि शेष 5 जिलों में भी भारी बारिश की संभावना के मद्देनजर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जिसे लेकर शासन-प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

डकैती की योजना बनाते 11 लोग गिरफ्तार, हथियार व नगदी बरामद

संवाददाता

देहरादून। डकैती की योजना बना रहे 11 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार व 38 हजार रूपये नगद, मोबाइल फोन बरामद कर लिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुवंर ने बताया कि 11 जुलाई 23 को थाना नेहरू कालोनी तथा एसओजी देहरादून की संयुक्त टीम को सूचना प्राप्त हुई कि मोथरोवाला सीवर प्लांट के पास 10 से 12 लोग एकत्रित होकर किसी बडी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। जिनके पास अवैध अस्लाह होने की भी सम्भावना है। उक्त सूचना पर थानाध्यक्ष नेहरू कालोनी मौके पर पहुंचे तो सीवर प्लांट के पास स्थित खाली मैदान में एक निर्माणाधीन मकान मे पास पुलिस टीम को कुछ संदिग्ध व्यक्ति बैठे हुए दिखाई दिये, जिन्हें पुलिस टीम द्वारा घेर-घोट कर पकड लिया गया। पकडे गये व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर उनके द्वारा अपना नाम संजय पुत्र गोली, सोनू पुत्र बरसाती, अविनाश कुमार पुत्र शिवनाथ, श्रवण कुमार पुत्र आशाराम, अमन कुमार पुत्र नीरज, लवकुश पुत्र अंगद, रणजीत पुत्र यज्ञ राम, त्रिलोकी पुत्र नारायण, धर्मेन्द्र पुत्र राजकुमार, रामपाल पुत्र राजेन्द्र तथा मनीष पुत्र जसराम सभी निवासी गोंडा उत्तर प्रदेश बताया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से 2 छर्रे वाली पिस्टल, 2 खुखरी, 28 मोबाइल फोन तथा 38810 रूपये नगद बरामद हुए। बरामद मोबाइल फोन व नगदी के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर उनकें द्वारा उन्हें हरिद्वार में अलग-अलग टप्पेबाजी की घटनाओं में चोरी करना तथा आज दीपनगर क्षेत्र एक चिन्हित किये गये घर में डकैती

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुलिस हिरासत में गैंगस्टर की हत्या

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां अपराधियों ने पुलिस हिरासत में एक गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपियों ने वारदात से पहले पुलिस वालों की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंक दिया। मारे गए गैंगस्टर की पहचान कुलदीप जघीना के रूप में हुई है। पुलिस ने इस गैंगस्टर को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया था। राजस्थान की भरतपुर

पुलिस कुलदीप जघीना को भरतपुर कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। ये वारदात जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर अमोली टोल प्लाजा के पास हुई। बताया गया है कि आरोपियों ने पहले पुलिस पर हमला किया। उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर फेंक दिया। इसके बाद पुलिस हिरासत में कुलदीप जघीना की गोली मारकर हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेता कृपाल जघीना की हत्या का बदला लेने के लिए गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। बताया गया है कि भाजपा नेता की 4 सितंबर 2022 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और हत्या के संबंध में अगले दिन एफआईआर भी दर्ज की गई थी। पुलिस ने वारदात स्थल के पास के एक गांव से हमलावरों की गाड़ियां बरामद कर ली हैं।

फ्लाईओवर के पास मिली कई टुकड़ों में कटी लड़की की लाश!

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास टुकड़ों में लड़की की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस को सूचना मिली की। एक लड़की की लाश का कुछ हिस्सा जैसे सिर और कुछ बॉडी पाट्र्स बरामद हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने फ्लाईओवर से जुड़े जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

पुलिस को शक है कि बॉडी के कुछ पार्ट पुलिस के नजदीक जंगल में मिल सकते हैं। इसलिए पुलिस आसपास गहन जांच अभियान चला रही है। फ्लाईओवर के पास इस तरह से लाश मिलने पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल लड़की की लाश की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शुरुआती दौर में लग रहा है कि मृतक की उम्र 35 से 40 साल के बीच में होगी।

दिल्ली में पिछले कुछ समय से हत्या और फिर लाश के टुकड़े करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चित श्रद्धा हत्याकांड रहा था। श्रद्धा मर्डर केस ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। आरोप है कि दिल्ली के महरौली में श्रद्धा के प्रेमी आफताब ने पिछले साल 18 मई को उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव के 35 टुकड़े किए थे।

ऐसा ही एक मामला और दिल्ली में सामने आया था, जिसमें साहिल गहलोत ने अपनी लिव-इन पार्टनर निक्की यादव की हत्या कर दी थी। आरोपी साहिल ने निक्की की हत्या करने के लगभग 12 घंटे बाद दूसरी लड़की से शादी कर ली थी और अगले दिन वापस आकर निक्की के शव को फ्रिज में रख दिया था।

दून वैली मेल

संपादकीय

राम भरोसे हिंदुस्तान

उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब और दिल्ली सहित अन्य तमाम राज्यों में मानसूनी आपदा के कारण त्राहिमाम त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है यह कैसी विचित्र स्थिति है कि इस आपदा के कारण आम आदमी को जानमाल का भारी नुकसान हो रहा है और वह तमाम तरह की परेशानियां उठा रहा है। वहीं शासन-प्रशासन में बैठे लोग तमाशबीन बनकर अपनी जिम्मेवारी से यह कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं कि इसमें वह क्या कर सकते हैं? यह बरसात के कारण हो रहा है। सवाल यह है कि क्या यह बरसात कोई प्राकृतिक आपदा है? जिसके बारे में शासन-प्रशासन को पहले से कोई जानकारी नहीं थी। मानसूनी सीजन में क्या हर साल बारिश नहीं होती है? यह बारिश किसी भी साल थोड़ी या अधिक हो सकती है। एक सवाल यह भी है कि हर साल मानसूनी हालात से निपटने की तैयारियों से निपटने की बातें तो बहुत होती है लेकिन हर साल फिर उसी तरह की समस्याओं से आम लोगों को दो-चार होना पड़ता है और जैसे ही मानसून जाता है इन समस्याओं को भी भुला दिया जाता है। खासकर महानगरों और शहरी क्षेत्रों के लोगों को जलभराव के कारण भारी समस्या से दो-चार होना पड़ता है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों को बाढ़ जैसी स्थितियों से जूझना पड़ता है। बात अगर देहरादून की की जाए तो चाहे वह आईएसबीटी और क्लमेंटटाउन क्षेत्र में जलभराव की हो या फिर उस भूड़पुर गांव की जहां 5-6 फुट पानी पूरे क्षेत्र में भर गया। यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब से आईएसबीटी बना और भूड़गांव बसा है तभी से लोग इस तरह की समस्याओं को झेल रहे हैं। सहारनपुर रोड पर जो जलभराव की स्थिति बनती है वह भी कोई पहली बार नहीं बनी है सवाल यह है कि आम जनता जिससे नगर पालिका और नगर निगम तमाम तरह के टैक्स वसूलते हैं क्या उनकी जिम्मेदारी नहीं है कि वह आम आदमी को होने वाली इन दिक्कतों से निजात दिलाये। अगर शहर की ड्रेनेज व्यवस्था को 50 साल में भी दुरुस्त नहीं किया जा सकता है तो इसके लिए बरसात नहीं खुद शासन-प्रशासन जिम्मेदार है। सवाल यह नहीं है कि यह किसी एक शहर की समस्या है किसी भी राज्य के शहर-शहर का हाल लगभग एक जैसा ही है। उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्गों की स्थिति क्या है? इससे भले ही सरकार को कोई सरोकार न हो कि यहां जो लोग आए दिन मर रहे हैं उनकी मौतों का जिम्मेदार कौन है? सरकार इस बात को लेकर अपनी पीठ थपथपा रही है की यात्रा पर रिकॉर्ड 36 लाख यात्री अब तक पहुंचे हैं। अभी पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से सड़कों के हालात पर जब सवाल पूछा गया तो उनका कहना था कि अब बारिश हो रही है तो इसमें कोई क्या कर सकता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह रहे हैं कि पूरे देश में उम्मीद से अधिक बारिश हुई है दिल्ली में 40 साल का रिकॉर्ड टूट गया है दिल्ली का स्ट्रक्चर इतना अधिक बारिश को सहने की क्षमता नहीं रखता था इसलिए लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सवाल यह है कि क्या यह समस्याएं बीते सालों में नहीं थी तब इसका क्या कारण था। यह शासन-प्रशासन में बैठे लोगों के पल्ले झाड़ कथा के सिवाय और कुछ नहीं है। स्मार्ट सिटी के कामों को जिम्मेवार बताने वालों के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है कि राजधानी दून में किए जा रहे स्मार्ट सिटी के काम क्यों समय पर पूरे नहीं कराये जा सके। अब इसका खामियाजा लोगों को क्यों भरना पड़ रहा है जिन लोगों के घरों और दुकानों में पानी घुस गया और लाखों का नुकसान हो गया उसके लिए कौन जिम्मेवार है और उसकी भरपाई कौन करेगा? अनेक सवाल है लेकिन इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं है ऐसा लगता है कि हिंदुस्तान में सब कुछ राम भरोसे ही चल रहा है और आम आदमी की सुरक्षा या तो खुद उसके हवाले हैं या फिर ऊपर वाले के।

मौसम के रेड अलर्ट से उड़ी शासन-प्रशासन..

पृष्ठ 1 का शेष

से राज्य में आवागमन ठप हो चुका है भले ही शासन-प्रशासन इन सड़कों को खोलने के कार्य में जुटा हो लेकिन जितने स्थानों पर सड़कों को खोला जाता है उससे ज्यादा स्थानों पर फिर भूस्खलन व भूधसाव से सड़के बंद हो रही है। लगातार बारिश के कारण सड़कों को खोलने का काम बड़ी चुनौती बना हुआ है। मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि मौसम विभाग का अलर्ट हमारे लिए बड़ी चुनौती है। बंद सड़कों को खोलने का काम किया जा रहा है जिससे आवागमन बना रहे। उनका कहना है कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं प्रभावितों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए। 94111 12985 व व्हाट्सएप नंबर 94 1111 2780 दिए गए हैं इसके अतिरिक्त दो अन्य नंबर भी जारी किए गए हैं। इस बीच आज राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी आपदा कंट्रोल रूम जाकर स्थिति का जायजा लिया। आज शाम सीएम धामी आपदा राहत पर समीक्षा बैठक की करने जा रहे हैं जिसमें आपदा सचिव रणजीत सिंह सहित तमाम विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

ओ३म् शं नो अदितिर्भवतु व्रतेभिः शं नो भवन्तु मरूतः स्वर्काः शं नो विष्णुः शमु पूषा नो अस्तु शं नो भवित्रं शम्वस्तु वायुः।

(ऋग्वेद ७। ३५। ९)

नियमों सहित अखण्ड धरती माता हमारे लिए सुखदायी हों, शुभ विचार वाले शूरवीर व बड़े विद्वान लोग हमें सुख देने वाले हो, व्यापक परमेश्वर हमें सुखदायक हो, पुष्टिकारक तत्व व ब्रह्मचर्यादि व्यवहार हमें शान्ति देने वाले हो, अन्तरिक्ष व जल हमें सुखकारी हो, और पवन सुख देने वाली हो ।

जिलाधिकारी ने साईकिल राईडर आशा मालवीय को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। महिला सशक्तीकरण विषय पर देशवासियों को जागरूक करने निकली सुश्री आशा मालवीय को जिलाधिकारी सोनिका ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आज यहां जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आज कलैक्ट्रेट स्थित कार्यालय में देश भ्रमण पर निकली साईकल राईडर सुश्री आशा मालवीय से मुलाकात की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सुश्री आशा मालवीय को जनपद देहरादून की ओर शॉल एवं प्रशस्ति पत्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर हौसला बढाया। जिलाधिकारी ने सुश्री मालवीय एकल महिला साईकिल यात्री की इस महिला सशक्तीकरण की पहल को सरहाते हुए कहा कि उनकी यात्रा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने का संदेश देती हैं तथा महिलाओं को हार न मानने के लिए जागरूक कर रही हैं उन्होने कहा कि यदि मन में जज्बा हो तो कुछ भी असंभव नही है इस बात को चरितार्थ कर रही है। उनका यह कार्य बालिकाओं/महिलाओं को अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित करेगा। अवगत कराना है कि ग्राम नाटाराम जनपद राजगढ मध्यप्रदेश निवासी सुश्री आशा मालवीय द्वारा सम्पूर्ण भारत की (एकल महिला) साइकिल यात्रा करके महिला सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण विषय पर देशवासियों को जागरूक किया जा रहा है। सुश्री मालवीय विगत 01 नवम्बर, 2022 को अपने राज्य मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर भोपाल से साइकिल यात्रा प्रारम्भ करते हुए इन्होंने 23 राज्यों से होते हुए 19750 किमी. से ज्यादा दूरी तय करके उत्तराखण्ड मे 24वें राज्य के रूप में साइकिल यात्रा पर हैं। सुश्री मालवीय द्वारा 28 राज्यों की कुल 25,000 किमी की साइकिल यात्रा पूरी करके देश की राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त, 2023 को अभियान का समापन करने का लक्ष्य रखा गया है। सुश्री आशा मालवीय एक निर्धन परिवार से हैं, जिनके पिता नही है, फिर भी उन्होंने अपने जज्बे को कम नही होने दिया। सुश्री मालवीय ने अब तक विभिन्न राज्यों 17 मुख्यमंत्री, 17 राज्यपाल से मुलाकात की तथा अबतक लगभग एक हजार आईएएस तथा एक हजार आईपीएस अधिकारियों के साथ ही 15 राज्यों के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर चुकी हैं। सुश्री मालवीय ने बताया कि वे अबतक महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के 300 से अधिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर चुकी है।

महिला सशक्तीकरण पर देशवासियों को जागरूक करने निकली मालवीय

निर्माणाधीन मकान से मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने निर्माणधीन मकान से दो मोबाइल चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर बाजार निवासी वसीम अहमद ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका यहां पर मकान बन रहा है। आज वह अपने निर्माणधीन मकान में मजदूरों को काम समझा रहा था तभी किसी ने उसके दो मोबाइल फोन चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सांसद अनिल बलूनी से शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

नई दिल्ली। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर यमुना-मसूरी पेयजल योजना पर आभार प्रकट किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी में 144 करोड़ लागत से निर्मित महत्वाकांक्षी यमुना-मसूरी पेयजल पंपिंग योजना के लिए उनका आभार भी प्रकट किया। उन्होंने राज्यसभा सांसद बलूनी को मसूरी पेयजल योजना के अंतर्गत निर्माण हो रहे पंपिंग स्टेशन के कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड राज्य से संबन्धित विकास कार्यों के विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने बताया कि योजना का लोकार्पण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी द्वारा जल्द किया जाएगा।

जल अभिषेक के साथ मंदिर में कावड़िए वृक्षारोपण भी करेंः चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। किसान यूनियन ने शिवभक्त कांवडियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए जलाभिषेक के बाद वृक्षारोपण भी कराया गया।

आज यहां कावड़ यात्रा के प्रथम चरण में लाखों शिवभक्त कावड़िए मां गंगा के पवित्र जल को अपने कंधे पर लेकर जा रहे हैं वही शिवभक्त कावड़ियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फेडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री संजय चोपड़ा, उत्तराखंड प्रभारी अनिल शर्मा के संयुक्त संयोजन में शिव त्रिशूल चौक से मां गंगा किनारे कावड पटरी पार्किंग इत्यादि क्षेत्रों में वृक्षारोपण यात्रा निकालकर शिवभक्त कावड़ियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक कर संकल्पित किया। इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा शिवभक्त कावड़िए करोड़ों की तादात में मां गंगा का पवित्र गंगाजल शिव अभिषेक के लिए सदियों से लेकर जा रहे हैं वही नई पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए शिवभक्त कावड भाइयों के हाथों से वृक्षारोपण कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन के उत्तराखंड प्रभारी डॉ. अनिल शर्मा ने कहा कावड़ यात्रा में अधिक मात्रा में किसान भाई ही कावड़ लेने के लिए धर्मनगरी हरिद्वार में आते हैं किसान भाइयों को भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा फलदार वृक्ष इसीलिए वितरित किए गए हैं वह एक बड़ी इच्छा शक्ति के साथ अपने गंतव्य में पहुंचने के उपरांत वृक्षारोपण कर अन्य किसानों भाइयों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करें इसीलिए आगे भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। मां गंगा के किनारे कावड़ पटरी चौक चौराहे पर वृक्षारोपण करते भारतीय किसान यूनियन वेलफेयर फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह भवर, सुनील जायसवाल, ओमप्रकाश राठी, पंडित मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, जय सिंह बिष्ट, गौरव चौहान, विक्रांत, मोहनलाल, कमल शर्मा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

लोगों को भडकाने व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने में 6 लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। लोगों को भडकाने व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश तहसीलदार चमन लाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वर्तमान में तहसील ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत स्थित आईडीपीएल की भूमि मे अनाधिकृत रूप से निवासरत 227 व्यक्तियों के घर खाली कराये जाने की कार्यवाही उच्चाधिकारियों के आदेश के अनुपालन में गतिमान है, जिसके क्रम में तहसील स्तर से उच्चाधिकारियों के आदेशों के क्रम स्थानीय पुलिस बल की सहायता से उपरोक्त कार्यवाही प्रारम्भ की गयी है जिसके क्रम में कई विभागों के कार्मिकों द्वारा आईडीपीएल के आवासों को खाली किया जा रहा है। उसी आदेश का अनुपालन जब तहसील स्तरीय/ जिलास्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कराया जाता है तो कुछ संगठन जो कि अवैध रूप से बनाये गये है। अपने उद्देश्यों/राजनैतिक लाभ के लिये प्रशासन की कार्यवाही का विरोध करते हुये आदेशों का अनुपालन कर रहे अधिकारियों का घेराव क्षेत्रीय जनता को बरगला कर करवाते है तथा शासन प्रशासन के विरूद्ध अनर्गल बयानबाजी करते हुए राजकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की जाती है।

उक्त कार्यवाही का विरोध करते हुये कुछ व्यक्तियों द्वारा आईडीपीएल के निवासियों को भडकाते हुये 06 जुलाई 2023 को थाना कोतवाली ऋषिकेश में एक शिकायती प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी देहरादून, अपरजिलाधिकारी (प्रशासन) देहरादून, उपजिलाधिकारी ऋषिकेश, डिप्टी कलेक्टर न्यायिक देहरादून एंव तहसीलदार ऋषिकेश के विरूद्ध व्यक्तिगत नाम से दिया गया है तथा इसमें यह दर्शाया गया है कि 05 जुलाई को भूपेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र जगजीत सिंह बिष्ट निवासी बी–1047 आईडीपीएल द्वारा उक्त व्यक्तियों के दवाब से भयभीत होकर ट्रेन से टकराकर आत्महत्या कर ली है। अवगत कराना है उक्त मृतक के भाई राजेन्द्र सिंह बिष्ट द्वारा उक्त झूठे प्रार्थना पत्र की एवज में एक पत्र को इस आशय का दिया गया कि जो शिकायती प्रार्थना पत्र कोतवाली मे मृतक को आत्महत्या होने के सम्बन्ध मे दिया गया वह मृतक के परिवार की राय/सहमति लिए बिना ही दिया गया है परिवार पूर्ण रूप से अनभिज्ञ है कि मृतक की मृत्यु ट्रेन से टकराने के कारण दुर्घटनावश हुई है न कि आत्महत्या है तथा संदीप कुमार, राजू, राकेश, रविन्द्र, सूरज, राजेन्द्र आदि द्वारा दिया गया यह प्रार्थना पत्र झूठा है एव समाज का महौल खराब करने के उद्देश्य से दिया गया है। बिना मृतक के परिवार के परामर्श / सहमति लिये बिना ही उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा प्रशासनिक पदाधिकारियोंके विरुद्ध व्यक्तिगत नाम से दिया गया। यह शिकायती प्रार्थना पत्र प्रशासनिक पदाधिकारियों के विरूद्ध व्यक्तिगत षडयंत्र की ओर ईशारा करता है तथा प्रशासन की कार्यवाही को यह व्यक्ति समाज का माहौल खराब कर अपने अपराधिक उददेश्यों की पूर्ति करने हेतु रूकवाने के लिये इस कृत की ओर अग्रसारित होना चाहते है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

101 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी सहित दो दबोचे

हमारे संवातददाता

नैनीताल। स्मैक तस्करी में लिप्त दो शातिरों को पुलिस ने 101 ग्राम स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बरेली निवासी है जो बरेली से स्मैक लाकर उसे कुमांऊ रेज में सप्लाई किया करते थे।

जानकारी के अनुसार कल देर रात थाना कालाढूंगी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की सप्लाई हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चौधरी गेट चकलुवा कालाढूंगी से करीब 150 मी. हल्द्वानी की ओर रोड पर हल्द्वानी की ओर से एक स्कूटी सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। जो पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने लगे। इस पर पुलिस ने उन्हे जंगल में घेराबंदी कर दबोच लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 101 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम राजीव गुप्ता पुत्र खजानची लाल गुप्ता निवासी राजुपुर थाना भमौरा जिला बरेली व हाल पता खन्ना फार्म हल्द्वानी तथा वालेश कुमार पुत्र ओमकार गुप्ता निवासी राजुपुर थाना भमौरा जिला बरेली व हाल पता- जोशी निवास चौधरी कालोनी हल्द्वानी नैनीताल बताया। पुलिस ने उन्हे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

गर्मी से राहत नहीं, आफत बन रही है मॉनसून की बारिश

निशांत सक्सैना

बारिश की आमद गर्मी से राहत देने के लिए जानी जाती थी। मगर अब, यह राहत बन रही है आफत। भारत में चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि का पैमाना हर गुजरते साल के साथ नई ऊंचाई छू रहा है। साल 2023 की शुरुआत अगर सर्दी की जगह अधिक गर्मी के साथ हुई, तो फरवरी में तापमान ने 123 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। आगे पूर्वी और मध्य भारत में अप्रैल और जून में उमस भरी गर्मी की संभावना जलवायु परिवर्तन के कारण 30 गुना अधिक हो गई थी। उसी दौरान चक्रवात बिपरजॉय अरब सागर में 13 दिनों तक सक्रिय रहा और लगभग दो हफ्तों की इस सक्रियता के चलते साल 1977 के बाद सबसे लंबी अवधि का चक्रवात बन गया।

फिलहाल पूरे उत्तर पश्चिम भारत में अत्यधिक भारी बारिश अपना कहर बरपा रही है। लगातार बारिश के कारण पूरे हिमाचल प्रदेश में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ है, जबकि दिल्ली में पिछले 40 वर्षों में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विज्ञानी और जलवायु वैज्ञानिक दोनों ही, एक बार फिर, चरम मौसम की घटनाओं में भारी वृद्धि के लिए ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते स्तर को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

स्थिति को समझाते हुए स्काइमेट वेदर में मौसम विज्ञान और जलवायु परिवर्तन विभाग के उपाध्यक्ष, महेश पलावत ने कहा, "अत्यधिक भारी बारिश का चल रहा दौर तीन मौसम प्रणालियों के एक साथ होने का नतीजा है। यह तीन प्रणालियाँ है पश्चिमी हिमालय पर पश्चिमी विक्षोभ, उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों पर चक्रवाती परिस्थितियां, और गंगा के मैदानी इलाकों में चलने वाली मॉनसून की धुरी रेखा। इन तीनों का यहसंरेखण पहली बार नहीं हो रहा है और मानसून के दौरान यह एक सामान्य पैटर्न है। लेकिन अब ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानसून के पैटर्न में बदलाव से फर्क पड़ा है। भूमि और समुद्र दोनों के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे हवा में लंबे समय तक नमी बनाए रखने की क्षमता बढ़ गई है। इस प्रकार, भारत में बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं में जलवायु परिवर्तन की भूमिका हर गुजरते साल के साथ मजबूत होती जा रही है।"

भारतीय मानसून पैटर्न पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कई शोध पहले ही स्थापित कर चुके हैं। मगर अब यह सब वायुमंडलीय और समुद्री घटनाओं से भी छेड़छाड़ कर रहा है। और ऐसा होने से ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों का असर और भी कई गुना बढ़ा गया है।

आगे, आईआईटी-बॉम्बे में पृथ्वी प्रणाली वैज्ञानिक और विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. रघु मुर्तुगुड्डे बताते हैं, "यूं तो पहले भी चरम मौसम की घटनाएं हुई हैं, लेकिन 2023 एक अनोखा वर्ष रहा है। इन घटनाओं में ग्लोबल वार्मिंग महत्वपूर्ण योगदान तो दे ही रही है लेकिन कुछ दूसरी वजहें भीहैं। सबसे पहली वजह है कि अल नीनो ने आकार ले लिया है और यह वैश्विक तापमान को बढ़ा रहा है। अगली वजह है जंगल की आग जो कि इस बार तीन गुना बड़े क्षेत्रों में लगी है। इसका मतलब वायुमंडल में भी जंगल की आग से तीन गुना कार्बन उत्सर्जित हो रहा है और जमा हो रहा है। तीसरी वजह है उत्तरी अटलांटिक महासागर का गर्म अवस्था में होना। चौथा कारण है जनवरी के बाद से अरब सागर असाधारण रूप से गर्म हो गया है, जिससे उत्तर-उत्तर-पश्चिम भारत में अधिक नमी आ गई है। और पाँचवी वजह है ऊपरी वायुमंडल में हवा का बदला हुआ सर्क्युलेशन जिसके चलते धरती की सतह के ठीक ऊपर के सर्क्युलेशन पर असर डाल रहा है। इसके चलते उत्तर और मध्य भारत में बारिश भीषण बारिश हो रही है।"

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन नाम की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले समय में मानसूनी वर्षा न सिर्फ और अधिक तीव्र होगी, बल्कि उसका विस्तार क्षेत्र भी बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तापमान के साथ वायुमंडलीय नमी की मात्रा में वृद्धि का भी अनुमान है। मध्य भारत में स्थानीय भारी बारिश की घटनाओं की आवृत्ति में भी काफी वृद्धि हुई है, जो आंशिक रूप से ग्रीनहाउस गैस आधारित वार्मिंग, एयरोसोल, और बढ़ते शहरीकरण के कारण नमी की उपलब्धता में बदलाव के कारण है। वैश्विक और क्षेत्रीय मॉडल जहां भारत में औसत मौसमी वर्षा में वृद्धि का अनुमान लगाते हैं, वहीं वह मानसून के कमजोर सर्क्युलेशन का भी अनुमान लगाते हैं।

आगे बात करें तो बीसवीं सदी के मध्य से, भारत में औसत तापमान में वृद्धि के साथ चरम मौसमी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। और अब तो इस बात के पुख्ता वैज्ञानिक प्रमाण हैं कि मानवीय गतिविधियों ने क्षेत्रीय जलवायु में इन परिवर्तनों को प्रभावित किया है।

भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के निदेशक, वैज्ञानिक-जी, कृष्णन राघवन ने भारतीय मौसम को प्रभावित करने वाले वैश्विक सर्कुलेशनों पर शोध की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "ध्रुवीय क्षेत्र चिंताजनक दर से गर्म हो रहे हैं, जिससे हिमनदों की बर्फ पिघल रही है। इसके कारण, मिड लैटिट्यूड के सर्क्युलेशन पैटर्न मिड लैटिट्यूड और ट्रॉपिकल क्षेत्रों में में वायुमंडलीय सर्क्युलेशनपैटर्न को प्रभावित कर रहा है। हमें इस पर और अधिक शोध करने की आवश्यकता है क्योंकि भारत में मौसम के बदलते मिजाज में इसके योगदान से इनकार नहीं किया जा सकता है।आर्कटिक अंप्लीफिकेशन नाम के एक कारक पर ध्यान देने की जरूरत है।''

आईपीसीसी रिपोर्ट, बदलती जलवायु में मौसम और जलवायु की चरम घटनाएं ने पहले ही चेतावनी दी थी कि गर्मी और मानसून की वर्षा भी बढ़ेगी और अधिक बार होगी। भारतीय उपमहाद्वीप में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

क्या आपको भी दिनभर लगती है थकान और सताती है नींद!

स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी है कि शरीर के सभी अंग पूरी तरह स्वस्थ होकर काम करें. लेकिन कई बार जानकारी के अभाव में हम अपने जरूरी अंगों की बीमारी के बारे में जान ही नहीं पाते और बीमार हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही किडनी को लेकर होता है. देखा जाए तो किडनी हमारी बॉडी के बहुत जरूरी अंगों में से एक है क्योंकि ये पूरे शरीर के ब्लड को फिल्टर करने के साथ साथ शरीर को डिटॉक्स करने का जरूरी काम भी करती है. ऐसे में अगर किडनी की बीमार हो जाए तो शरीर कई बीमारियों के साथ साथ ब्लड इंफेक्शन और पॉइजनिंग का भी शिकार हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि किडनी के कमजोर और खराब होने के लक्षणों की पहचान सही समय पर हो सके ताकि शरीर खतरे से बाहर रहे. चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ लक्षणों के बारे में जो किडनी के खराब होने के संकेत देते हैं.

लगातार थकान बने रहना

अगर आपको लगातार थकान रहती है या फिर शरीर में हर वक्त कमजोरी फील होती है तो इसे सामान्य बात समझकर इग्नोर करना सही नहीं है. ये आपकी किडनी के खराब होने का एक प्राथमिक लक्षण हो सकता है. दरअसल जब किडनी सही से काम नहीं कर पाती तो शरीर के डिटॉक्स पदार्थ पूरी तरह से फिल्टर नहीं हो पाते और वो शरीर में ही इकट्ठा होने लगते हैं. ऐसे में शरीर में टॉक्सिन बनने लगते हैं जिससे थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है.

नींद में कमी होना

नींद में कमी होना यानी स्लीप एपनिया भी अस्वस्थ किडनी का संकेत हो सकता है. दरअसल जब किडनी बीमार होती है तो वो शरीर को पूरी तरह से ऑक्सीजन लेने से रोकती है जिससे नींद में काफी कमी आ जाती है. इसलिए अगर आपको नींद नहीं आ रही है या फिर पूरी नींद नहीं ले पाते हैं तो आपको अपनी किडनी का चैकअप जरूर करवाना चाहिए.

स्किन संबंधी दिक्कतें

स्किन संबंधी दिक्कतें भी अनहेल्दी किडनी का संकेत हो सकती हैं. जब किडनी ब्लड को सही से फिल्टर नहीं कर पाती तो टॉक्सिन ब्लड में जमा हो जाते हैं और इससे स्किन संबंधी दिक्कतें होने लगती हैं. त्वचा पर लाल दाने निकलना, खुजली होना, स्किन का ड्राई होना, ये सभी लक्षण हैं जो बताते हैं कि आपकी किडनी सही से काम नहीं कर रही है.

हाथ पैरों में सूजन आना

अगर हाथ और पैरों के साथ साथ आपके चेहरे पर भी सूजन दिख रही है तो इसे इग्नोर करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि ये किडनी के खराब होने का संकेत है. जब किडनी सही से काम नहीं करती तो वो बॉडी से एक्स्ट्रा नमक यानी सोडियम को फिल्टर नहीं कर पाती और शरीर में वाटर रिटेंशन होने लगता है जिससे हाथ पैरों और चेहरे पर सूजन आ जाती है. कई बार किडनी खराब होने पर आंखों के आस पास सूजन आ जाती है. इसे भी गंभीरता से लेना चाहिए और किडनी की जांच करवानी चाहिए. (आरएनएस)

हल्के रंगों के कपड़े पहनें

गर्मियों के मौसम में हमें हल्के रंग के ही कपड़ो का चयन करना चाहिए् गर्मियों में खादी शिफोन या प्योर कॉटन के कपड़े बेहतर रहते हैं। इसमें आजकल स्टाइलिश और फैशनेबल परिधान भी मौजूद हैं। सिल्की व गहरे रंग के साथ ही भारी जरी वाले कपड़ो से दूर ही रहना चाहिए् ऐसे कपडे न सिर्फ हमें गर्मी का अहसास कराते है, बल्कि यह हमारे शरीर पर चुभते भी हैप् लॉन्ग कुर्ती के साथ या फिर वेस्टर्न आउटफिट के साथ लेगिंग्स पहनना काफी डिसेंट लगता है। इसे पहनकर ऑफिस, मीटिंग आदि मे भी जा सकती है। जहां तक हो सके गहरे रंग के कपड़ों का इस्तेमाल करने से बचें। काले रंग से दूर ही रहें।

ऐसे मौसम में अगर आप सिंथेटिक कपड़ें पहनते हैं तो ये आपके लिए तकलीफदेह साबित हो सकता है।

कम ज्वेलरी पहनें

गर्मियों में कम ज्वेलरी का ही इस्तेमाल करें। कानों में छोटा सा इयरिंग और गले में हल्का सा नेकलेस आपको अच्छा लुक देगा।

गर्मी ज्यादा हो तो हमारे पैरों पर भी इसका असर पड़ सकता है, इसके लिए कैनवस शूज या फिर सैंडल को पहनना बेहतर होगा। गर्मी के मौसम में टाइट जींस की जगह लाइट वेट डेनिम या फिर लेगिंग्स को शामिल किया जा सकता है। टाइट फिट कपड़ों की जगह ढीले ढाले कपड़े ज्यादा आरामदेह रहते हैं। सिल्क, सैटिन, नेट,जैसे कपड़े न पहनें। इससे गर्मी से होनेवाले संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है।

छाते का करें इस्तेमाल

अगर कहीं जा रहीं हैं तो धूप से बचने छाते का इस्तेमाल करें, इसके साथ ही पूरा शरीर ढ़का हुआ होना चाहिये। हाथों में दस्ताने पहनें।

इस प्रकार हासिल करें फिटनेस

महिलाओं में फिट रहने की चाहत होती है। इससे खूबसूरती में निखार आने के साथ ही सेहत भी ठीक रहती है। इसके लिए खानपान में ध्यान देने के साथ ही नियमित प्रयास भी करने पड़ते हैं।

वर्कआउट करें

सप्ताह में एक दिन जर्मन वर्कआउट पिलाटे करें। पिलाटे कंट्रोल्ड ब्रीदिंग के साथ होने वाला एक जर्मन वर्कआउट है। 45 मिनट के वर्कआउट में पिटाले करने से तकरीबन ४०० से लेकर ५०० तक कैलोरी बर्न होती हैं।

ब्यूटी किट में रखना न भूलें ये 4 चीज...!

एक तो गर्मी, ऊपर से छिटपुट बारिश ने उमस को बढ़ा दिया है. ऐसे में चेहर का ख्याल और भी जरूरी हो गया है. उमस और ज्यादा गर्मी के चलते पसीना ज्यादा निकलता है और स्किन ड्राई होने लगती है. हालांकि, कुछ बातों का ध्यान रख गर्मी के सीजन में भी स्किन को ग्लोइंग बनाया जा सकता है. आज हम आपको बताने जा रहे हैं ब्यूटी किट की उन चीजों के बारें में जो समर फ्रेंडली हैं और खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती हैं. आप भी इन्हें अपने मेकअप किट में जरूर शामिल करें.

सैलीसिलिक एसिड

जब मौसम बदलता है तो एक्ने ब्रेकआउट और ब्लैक हेड्स की प्रॉब्लम भी बढ़ने लगती है. ऐसे में सैलिसिलिक एसिड त्वचा के रोम छिद्रों में अंदर तक जाकर डेड सेल्स को बाहर निकाल देता है. यह नए सेल्स के बनने में भी मदद करता है. मुंहासे की समस्या भी पूरी तरह खत्म कर सकता है.

नियासिनामाइड

बी टाउन की एक्ट्रेस कृति सेनन और आलिया भट्ट ने कुछ दिन पहले ही वीडियो शेयर कर बताया था कि नियासिनामाइड से उनकी त्वचा गर्मियों में भी खूबसूरत बनी रहती है. इसमें विटामिन बी 3 पाया जाता है. यह घुलनशील होने के चलते रोम के छिद्रों, फाइन लाइन्स और झुर्रियों की छुट्टी कर सकता है.

एलोवेरा

इसे चमत्कारिक जड़ी बूटी तो माना ही जाता है, इसमें औषधीय गुण भी जबरदस्त होते हैं. स्किन को मॉइस्चराइज करने में ऐलोवेरा कमाल का काम करता है. स्किन में नमी रहने से रेडनेस जैसी समस्याएं दूर हो सकती हैं.

विटामिन सी

समर सीजन में स्किन की देखभाल में विटामिन सी अच्छा रोल निभाती है. सुस्त और थके चेहरे को यह रिफ्रेश करने के साथ सनस्पॉट को मिटाने का काम करती है. यह विटामिन कोलेजन का उत्पादन करती है और हाइपरपिग्मेंटेशन को खत्म करने का काम करती है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सेहत के बारे में बहुत कुछ बताते हैं दांत, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

दांतों में संवेदनशीलता, नसों में संक्रमण और मसूड़ों की बीमारी आदि दर्दनाक समस्याएं पैदा कर सकती हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दांतों की समस्याएं शरीर में होने वाली किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी हो सकती हैं? मौखिक स्वच्छता का ध्यान रखने से न केवल दांत स्वस्थ रहते हैं, बल्कि हमें समग्र रूप से स्वस्थ रहने में भी मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं कि दांत सेहत के बारे में क्या-क्या बताते हैं।

दांतों का किटकिटाना हो सकता है स्लीप एपनिया का संकेत

स्लीप एपनिया नींद से जुड़ी एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण व्यक्ति को सोते वक्त सांस लेने में मुश्किल होती है और उसकी रात में बार-बार नींद खुलती है। इसके सामान्य लक्षणों में खर्राटे लेना, दांत किटकिटाना और सोते समय सांस लेने में हांफना शामिल हैं। अगर इसके उपचार पर ध्यान न दिया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर, लीवर की समस्याएं और यहां तक कि मनोभ्रंश जैसी गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

पीले मसूड़े हो सकते हैं एनीमिया का लक्षण

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जो आयरन की कमी या फिर शरीर के लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण नहीं करने के कारण होती है। इससे आप काफी कमजोर और थका हुआ महसूस कर सकते हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में पुरुषों की तुलना में एनीमिया का खतरा अधिक होता है क्योंकि वे अधिक आयरन खो देती हैं। एनीमिया के अलावा कई अन्य चिकित्सीय स्थितियों के कारण भी मसूड़े के ऊतकों का रंग हल्का गुलाबी-सफेद हो सकता है।

दांतों का खराब होना किडनी की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

जब किसी को किडनी की बीमारी होती है तो उसे मुंह में समस्या हो सकती है। इसके कारण मुंह में घाव होना, चीजों के स्वाद में बदलाव महसूस होना और पर्याप्त लार नहीं बनने के कारण मुंह सूखना जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। जब मुंह सूख जाता है तो यह अधिक अम्लीय हो जाता है, जिससे दांतों में गंभीर सड़न हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप दांत खराब हो सकते हैं।

एचआईवी का लक्षण है ओरल थ्रश

मुंह में फंगल होने की समस्या को चिकित्सक भाषा में ओरल थ्रश कहा जाता है। यह एक तरह का संक्रमण है, जो कैंडिडा नामक फंगस के कारण होता है और इसके कारण मुंह के अंदर घाव और खाना निगलने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। यह संक्रमण एचआईवी से ग्रस्त लोगों में होना सामान्य माना जाता है, इसलिए अगर आपके मुंह में फंगल हो तो इसे हल्के में ना लेकर डॉक्टर से संपर्क करें।

हो सकता है कि कुछ लोगों को इस बात का पता न हो, लेकिन हमारे दांतों के आसपास की हड्डी उन्हें सहारा देने के लिए नींव का काम करती है। ऐसे में अगर किसी भी कारणवश ऑस्टियोपोरोसिस होता है तो इसका दांतों की पकड़ पर बुरा असर पड़ता है। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जिसके कारण हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि एक सामान्य छींक आने से कूल्हे, रीढ़ और कलाई में फ्रैक्चर हो सकता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -073

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

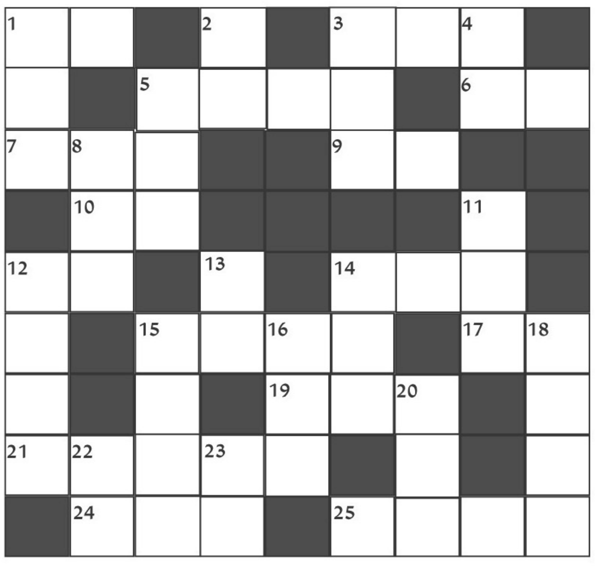

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

जियो सिनेमा पर होगा नीना गुप्ता की इश्क-ए-नादान का प्रीमियर

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता को इन दिनों लस्ट स्टोरी 2 में देखा जा रहा है। फिल्म में उनकी अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। आने वाले दिनों में नीना इश्क-ए-नादान में नजर आएंगी। यह फिल्म सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। अब निर्माताओं ने इसकी रिलीज तारीख का भी ऐलान कर दिया है। इश्क-ए-नादान का प्रीमियर 14 जुलाई से जियो सिनेमा पर किया जाएगा।

इश्क-ए-नादान का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें नीना समेत सभी कलाकारों की झलक देखने को मिल रही है। जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर इश्क-ए-नादान का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अब हर हवा के झोंके में होगी एक नई प्यार की कहानी। देखिए सपनों के शहर की अनोखी प्रेम कहानियां। इश्क-ए-नादान में मोहित रैना, लारा दत्ता भूपति, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नैय्यर और कंवलजीत सिंह भी हैं। (आरएनएस)

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रणवीर-आलिया की जोड़ी ने जीता दिल

पिछले काफी समय से फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी चर्चा में है। फिल्म से जुड़ी आए दिन नई जानकारी सामने आ रही है। अब तक इसके कई पोस्टर जारी हो चुके हैं, जिन पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया है। दर्शकों को फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार था, जो अब आखिरकार खत्म हो गया है। ट्रेलर रिलीज होने की जानकारी फिल्म के निर्माता करण जौहर से लेकर इसके कलाकारों तक ने सोशल मीडिया पर दी है। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट दिल जीतने को तैयार हैं। उनके रोमांटिक सीन देख ऐसा लगता है मानों वे असल में एक-दूसरे के प्यार में हों। दोनों शादी करना चाहते हैं, लेकिन उनका परिवार उनके रिश्ते में विलेन बना हुआ है। अब इस प्रेम कहानी का क्या अंत होगा, यह तो फिल्म की रिलीज के बाद ही पता चलेगा। खैर, जो भी हो, रॉकी बने रणवीर और रानी बनीं आलिया का अंदाज कुछ ऐसा है, जिससे नजरें नहीं हटती।

इस फिल्म के जरिए आलिया और रणवीर ने दूसरी बार साथ काम किया है। इससे पहले दोनों फिल्म गली बॉय के लिए साथ आए थे। फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी हैं। धर्मेंद्र सालों बाद इसके जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। करण फिल्म में अपने चहिते निर्देशक यश चोपड़ा को श्रद्धांजलि देंगे। आलिया-रणवीर पर एक गाना फिल्माया गया है, जिसके जरिए यश को श्रद्धांजलि दी जाएगी। फिल्म 28 जुलाई को रिलीज हो रही है। धर्मा प्रोडक्शंस फिल्म के लिए वो करने वाला है, जो यशराज फिल्म्स पठान के लिए नहीं कर सका। पठान को दुनियाभर में 8,000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक रॉकी और रानी... को करीब 9,000 स्क्रीन्स पर रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक करण फिल्म को अपनी सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम के स्तर पर रिलीज करना चाहते हैं। पटना के एक एग्जिबिटर रोशन सिंह इस फिल्म के लिए अपना मल्टीप्लेक्स खोलने वाले हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले फिल्म योद्धा आ रही है, जो करण की पहली एक्शन फ्रैंचाइजी है। वह सिंघम अगेन से भी जुड़े हैं और बेधड़क भी लेकर आ रहे हैं, जिसके जरिए करण, संजय कपूर की बेटी शनाया बॉलीवुड में लॉन्च करेंगे। सारा अली खान को लेकर फिल्म ऐ वतन मेरे वतन करण ने ही बनाई है। विक्की कौशल की फिल्म मेरे महबूब मेरे सनम, सी शंकरन नायर की बायोपिक और सरजमीं जैसी फिल्में भी करण के पास हैं।

अर्जुन कानूनगो, शर्ली सेतिया नए एल्बम इंडस्ट्री 2 के लिए साथ आए

गायक-अभिनेता अर्जुन कानूनगो अपने एल्बम इंडस्ट्री के दूसरे वर्जन के साथ वापसी कर रहे हैं। इंडस्ट्री 2 टाइटल वाले इस एल्बम में वह शर्ली सेतिया के साथ काम करते नजर आएंगे। एल्बम में टोक्यो में फिल्माए गए संगीत वीडियो हैं, जो भाषा की बाधा को तोड़ते हैं, जिसके कारण भारतीय कलाकार वहां शूटिंग करने से बचते थे। टोक्यो में शाटिंग करने के उनके फैसले ने उन्हें इस जीवंत और आश्चर्यचिकत कर देने वाले शहर को जानने का मौका दिया। इसने व्यापक अंतराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचने के दरवाजे भी खोले।

शर्ली सेतिया ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि अर्जुन के साथ इंडस्ट्री 2 पर काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। हमने कुछ बहुत खास बनाया है, लेकिन अपने फैंस के लिए सबसे प्रामाणिक अनुभव लाने के लिए एक बिल्कुल नए देश में घंटों मेहनत की है।

उन्होंने आगे जिक्र किया, सबसे अच्छी और मेहनती टीम के साथ टोक्यो में शूटिंग करना निश्चित रूप से मेरे लिए इस एल्बम का हिस्सा बनाना सबसे अच्छा रहा। इंडस्ट्री 2 मेरे द्वारा पहले की गई किसी भी चीज से भिन्न है, और मैं इसे हर किसी के सुनने का इंतजार नहीं कर सकती।

अर्जुन की इंडस्ट्री, जो पिछले साल रिलीज हुई थी, एंथेमिक पॉप-सोल धुनों से भरपूर थी, यह एल्बम प्यार, महत्वाकांक्षा और आत्म-खोज जैसे विविध आख्यानों को दर्शाता है। (आरएनएस)

फिल्म नीयत में जासूस बनी हैं विद्या बालन

विद्या बालन की गिनती बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में होती है, जो अपने हर किरदार को जीवंत बना देती हैं। यही वजह है कि उनकी फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ समय से वह फिल्म नीयत को लेकर सुर्खियों में हैं। अनु मेनन के निर्देशन में बनी फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री है, जिसमें विद्या ने मीरा राव नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो जासूस बनकर हत्या की गुत्थी सुलझाती दिख रही हैं। शक के दायरे में कई किरदार हैं। हालांकि, मीरा असली कातिल ढूंढ पाएंगी या नहीं, यह तो फिल्म की रिलीज के बाद पता चलेगा। इसमें विद्या का अवतार देखने लायक है। फिल्म में नीरज काबी, राम कपूर, शहाणा गोस्वामी, शशांक अरोड़ा, अमृता पुरी, मीता वशिष्ठ और प्राजक्ता कोली भी हैं।

पिछले दिनों विद्या ने इस फिल्म का पोस्टर इंस्टाग्राम पर साझा कर लिखा था, मकसद सामने आ जाएगा। राज चौंका देगा। फिल्म की शूटिंग मई, 2022 में ब्रिटेन में शुरू हुई थी। सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए विद्या ने लिखा था, अपने पसंदीदा लोगों में से कुछ के साथ हाल के दिनों में पढ़ी गई सबसे आकर्षक पटकथाओं में से एक की शूटिंग शुरू करने के लिए उत्साहित हूं।

विद्या को आखिरी बार बड़े पर्दे पर नवंबर, 2017 में आई फिल्म तुम्हारी सुलु में देखा गया था। इसमें विद्या ने एक मध्यमवर्गीय परिवार में रहने वाली गृहिणी सुलोचना यानी सुलु का किरदार निभाया था, जिसे रेडियो शो सुनना पसंद है। इस फिल्म में विद्या ने एक बार फिर यह साबित कर दिया था कि वह अपने अभिनय के दम पर फिल्म चलाने का माद्दा रखती हैं। नीयत से विद्या 6 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। विद्या ने धारावाहिक हम पांच से करियर शुरू किया था। 2005 में उन्होंने परिणीता से बॉलीवुड में कदम रखा। अभिनेत्री अब एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी, जो आधुनिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

वीएफएक्स के काम के लिए फिल्मों की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

रणबीर कपूर और संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा, एनिमल, जिसे 11 अगस्त को रिलीज़ करने की पुष्टि की गई थी, वीएफएक्स मुद्दे के कारण 4 महीने की देरी हो गई है। वीएफएक्स में देरी के कारण भी फिल्म को तीन-तरफ़ा स्वतंत्रता दिवस क्लैश से पीछे हटना पड़ा, जिससे गदर 2 और ओ माई गॉड 2 के लिए स्लॉट खुला रह गया!

रिपोर्ट के अनुसार एनिमल अब दिसंबर महीने में रिलीज़ होगी। एनिमल भूषण कुमार और मुराद खेतानी की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है, और वे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के काम में किसी प्रकार की दखलंदाजी नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें विश्व स्तरीय फिल्म देने के लए समय की आवश्यकता है। फिल्म को पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही थीं, लेकिन एक्शन सीन इतने भव्य हैं कि 11 अगस्त के लिए उनका सर्वश्रेष्ठ संस्करण तैयार करना संभव नहीं है। संदीप के लिए विजन और आउटपुट देखने के बाद जो तैयार हुआ उसे देखने के बाद रणबीर कपूर के साथ निर्माताओं ने फिल्म को 11 अगस्त के स्थान पर इसे दिसंबर तक टालने का फैसला किया है।

एनिमल रिलीज़ की अस्थायी तारीख 1 दिसंबर है, जो टाइगर 3 के 3 सप्ताह बाद और डंकी से 3 सप्ताह पहले है। टीम का मानना है कि 1 दिसंबर को आने से फिल्म को 3 सप्ताह का समय मिलेगा क्योंकि कोई भी अन्य फिल्म 3 घटना गाथाओं - टाइगर 3, एनिमल और डंकी के बीच में नहीं आना चाहेगी। यह एक अच्छी तरह से रणनीतिक तारीख है जिसे उन्होंने तय किया है, और 4 महीने की देरी से निर्माताओं को वीएफएक्स का काम पूरा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा।

पठान के बाद अब प्रशंसकों को शाहरुख खान की फिल्म जवान का इंतजार है। पहले यह फिल्म 2 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन वीएफएक्स के काम को पर्याप्त समय देने के लिए इसकी रिलीज आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म 7 सितंबर को आएगी।

इस फिल्म में शाहरुख डबल रोल में नजर आएंगे। इस एक्शन फिल्म में वह एक गैंग्स्टर के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ नयनतारा और सान्या मल्होत्रा भी नजर आएंगी। (आरएनएस)

शाहिद कपूर नहीं लेंगे राउडी राठौर 2 में अक्षय कुमार की जगह

शाहिद कपूर ने राउडी राठौर के सीक्वल में अक्षय कुमार की जगह लेने की खबरों का खंडन किया है। पिछले काफी समय से सीक्वल में शाहिद का हिस्सा होने की बात कही जा रही थी।

साल 2012 में आई राउडी राठौर के सीक्वल की खबरें काफी समय से आ रही थीं और दर्शक भी यह जानने के लिए उत्सुक थे कि फिल्म का हिस्सा कौन होगा।

शाहिद ने राउडी राठौर 2 में अक्षय की जगह लेने की खबरों पर बात की और साफ कर दिया कि वह इसका हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा, इन बातों में सच्चाई नहीं है। मैं राउडी राठौर 2 नहीं कर रहा हूं।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि अक्षय और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत राउडी राठौर की शूटिंग इस साल मई में शुरू होगी और शाहिद के साथ रश्मिका मंदाना इसका हिस्सा होंगी। साथ ही प्रभु देवा की जगह अनीस बज्मी फिल्म का निर्देशन करेंगे और संजय लीली भंसाली निर्माता होंगे।

इसी सिलसिले में बज्मी ने कहा था, अभी सितारों और फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है। जब सही समय होगा, हम घोषणा करेंगे।

राउडी राठौर साउथ के मशहूर अभिनेता रवि तेजा की 2006 में आई फिल्म विक्रमारकुडु का हिंदी रीमेक थी। विक्रमारकुडु का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था तो राउडी राठौर के निर्देशक प्रभु देवा थे। दोनों ही फिल्मों को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और बॉक्स ऑफिस पर भी इनका प्रदर्शन शानदार रहा था। ऐसे में दर्शक अब राउडी राठौर के सीक्वल के इंतजार में हैं। बता दें कि राउडी राठौर नेटफ्लिक्स पर देखने के लिए उपलब्ध है।

शाहिद ने बातचीत के दौरान अपनी आगामी परियोजनाओं के बारे में ज्यादा कुछ तो नहीं बताया, लेकिन 5-6 साल बाद फिल्म में डांस करने की बात करते हुए खुशी जताई। अभिनेता ने कहा, मेरी अगली 3 फिल्मों में आपको डांस जरूर देखने को मिलेगा। मैं वास्तव में ऐसा करना चाहता हूं। इसके अलावा, शाहिद पहली बार कृति सैनन के साथ स्क्रीन साझा करने वाले हैं। दोनों दिनेश विजान की अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे, जिसका पोस्टर जारी हो चुका है।

शाहिद की ब्लडी डैडी 2011 की फ्रेंच फिल्म स्लीपलेस नाइट की रीमेक है। इसकी मूल कहानी में बिना बदलाव किए इसे भारतीय परिवेश के हिसाब से थोड़ा ढाला गया है। यह जियो सिनेमा पर मुफ्त में देखने के लिए उपलब्ध है। (आरएनएस)

विपक्ष की स्क्रिप्ट में थीम का टोटा

हरिशंकर व्यास

नीतीश कुमार हों या मल्लिकार्जुन खड़गे या शरद पवार, ममता बनर्जी, अखिलेश, केजरीवाल, उद्धव ठाकरे सब मोदी से लड़ने, उन्हें चुनाव में हराने का इरादा लिए हुए हैं लेकिन इसके लिए चुनाव किस थीम पर लड़ें, क्या कहानी, क्या डायलॉग और कैसे एक्शन हो इसका दिमागी खाका नहीं बना है। समझ ही नहीं आ रहा। सभी नेता अपने-अपने दायरे में ख्याली पुलाव पका रहे हैं। प्रदेश और विधानसभा चुनाव का माइंडसेट है। मैंने दो सप्ताह पहले लिखा था कि विपक्ष मानो पाषाण युग में। दरअसल कांग्रेस और विपक्षी एकता के जितने सलाहकार, बौद्धिक प्रमुख याकि कन्हैया से लेकर योगेंद्र यादव, जयराम रमेश आदि सभी यह नहीं मानते हैं कि लोकसभा की रणभूमि हिंदीभाषी उत्तर भारत है। वह उत्तर भारत, जिसका कम से कम 38-40 प्रतिशत वोट रामजी, भोले बाबा, विन्ध्यवासिनी मां और विश्व गुरू होने के ख्यालों में डूबा हुआ है।

सचमुच कोई पूछे नीतीश कुमार या अखिलेश या राहुल गांधी, कमलनाथ व अशोक गहलोत से कि भाजपा के कोर वोट तथा 2014 व 2019 के मोदी के फ्लोटिंग-मध्यवर्गी-नौजवान लोगों में से पांच प्रतिशत वोटों को भी पटाने के लिए इनकी क्या थीम व क्या भाषण है? नीतीश कुमार पूछते हैं मोदी ने नौ साल में कुछ नहीं किया! कई नेता अमीर-गरीब की खाई, आर्थिक बदहाली का रोना रोते हैं। तीसरी थीम हिंदू बनाम मुस्लिम की सांप्रदायिकता का है। एक थीम विपक्ष अपनी वैकल्पिक दृष्टि, ऑल्टरनेटिव मॉडल पेश करे। साझा सहमतियों का वह घोषणापत्र बने, जिसमें रेवड़ियों का जवाब सुपर रेवड़ियों से हो। नीतीश-अखिलेश आदि का एक फॉर्मूला जातियों की गणित, सामाजिक न्याय, पिछड़े-दलितों-आदिवासियों में चेतना बनवाने का है।

सभी बातें मोदी की अकस्मात उठने वाली आंधी के आगे फिजूल होंगी। कैसे? पहली बात, विपक्ष के पास अपनी बात, अपना एजेंडा, अपनी वैकल्पिक दृष्टि-ऑल्टरनेटिव मॉडल पहुंचाने का मीडिया कहां है? विपक्षी नेता पाषाण युग में इसलिए भी हैं क्योंकि ये उस इकोसिस्टम का पार्ट हैं, जो जन्मजात मोदी विरोधियों का है। कांग्रेस, केजरीवाल और विपक्ष की सरकारों से यह बात बहुत साफ जाहिर होती है। सभी का सरकारी प्रचार या तो परंपरागत विरोधी वेबसाइटों में जाता है या मोदी नियंत्रित मीडिया में है। भारत की राजनीति का, भारत के सार्वजनिक विमर्श का नंबर एक संकट यह है कि मध्य-निष्पक्ष-तर्कसंगत मीडिया स्पेस देश में बचा ही नहीं है, जिससे सनातनी-सर्वधर्म समभावी तथा ज्ञानवादी-मध्यवर्गी हिंदुओं को वह जानकारी मिले कि मोदी सरकार से देश की, हिंदुओं की दीर्घकालीन नींव खुद रही है।

विषयांतर हो रहा है। बहरहाल, नीतीश कुमार कितना ही बोलें कि मोदी ने नौ साल में क्या किया है? इसे न कोई पब्लिक को बताने वाला है और न यह बात लोगों के दिल-दिमाग को झिंझोड़ेगी? ऐसे ही सांप्रदायिकता-हिंदू बनाम मुस्लिम से मोदी-शाह के खिलाफ कुर्मी-यादव या जाट वोट (लोकसभा चुनाव के संदर्भ में) माहौल बनाने के लिए सड़कों पर नहीं उतरने वाले हैं। ऐसे ही गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, महंगाई का वोट दिलाऊ हल्ला बनना है। इसलिए कि सोशल मीडिया के परंपरागत, चिन्हित मोदी विरोधियों के वीडियो, बहस की जनता में गूंज नहीं बन सकती। गूगल और अगले दस महीनों में कृत्रिम बुद्धि याकि एआई मशीन से विपक्ष-विरोध की आवाज को उन्हीं लोगों के बीच पहुंचने देगा, जिनका रिकॉर्ड 2014 व 2019 में विपक्ष को वोट देने का था। जिनका मोदी विरोधी रूझान पहले से ही सोशल मीडिया के डेटा सर्वरों को मालूम है।

पूछ सकते हैं कर्नाटक में तब भाजपा कैसे हारी? इसलिए हारी क्योंकि चुनाव के भी पहले के महीनों से घर-घर यह बात पहुंची थी कि भाजपा सरकार भ्रष्ट है। कमीशनखोर है। मेरा मानना था, है और रहेगा कि लोकसभा चुनाव में मध्यवर्गीय और फ्लोटिंग वोटों का पाला बदलना तभी होता है जब भ्रष्टाचार की बात घर-घर पहुंची हुई हो। इस सत्य से ही 2014 में नरेंद्र मोदी, भाजपा तथा अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी सुपर हिट हुए थे। इस बात को मोदी और केजरीवाल ने समझते हुए अभी तक पकड़ा हुआ है। केजरीवाल अपनी पंजाब सरकार का विज्ञापन भ्रष्टाचार मिटाने की थीम पर चलाते हुए हैं तो वजह उन्हें मालूम होना है कि इसी से प्रदेश में साख बनी रहेगी। हालांकि मेरा मानना है कि लोकसभा चुनाव से ऐन पहले भगवंत मान सरकार का भ्रष्टाचार में ही मोदी सरकार ऐसे टेंटुआ दबाएगी की लोकसभा चुनाव में आप का सारा खेल बिगड़ेगा। इधर केजरीवाल जेल में तो उधर भगवंत मान। नोट रखें पंजाब-दिल्ली की लोकसभा सीटें भाजपा कतई आम आदमी पार्टी के खाते में नहीं जाने देगी।

सो, मोदी-शाह ने 2014 तक विरोधियों द्वारा 20 लाख करोड़ रुपए के घोटाले का जो नया जुमला गढ़ा है तो वह इसलिए है ताकि मध्यवर्गीय-फ्लोटिंग मतदाता परिवारवाद-भ्रष्टाचार की इमेज में नीतीश-राहुल-लालू-पवार-के जरीवाल-केसीआर-स्टालिन सबसे बिदके। कर्नाटक के चुनाव से पहले अडानी-हिंडनबर्ग, क्रोनी पूंजीवाद, राफेल आदि के हवाले राहुल गांधी का जो ब्रह्मास्त्र था, वह आगे बढ़े नहीं इसी की रणनीति में भाजपा ने 20 लाख करोड़ रुपए के घोटाले का नया जुमला बोलना शुरू किया है। कर्नाटक में लोकल भ्रष्टाचार और राष्ट्रीय भ्रष्टाचार की किस्सागोई ने भाजपा के वोट खिसकाए थे। हवा बनी और उससे अपने आप दलित और जातियों के वोटों में भी पाला बदली हुई। भ्रष्टाचार की एक धुरी ने एंटी इस्टैब्लिशमेंट, महंगाई, रेवड़ी आदि सबका वह बवंडर बनाया जो एकतरफा मीडिया के बावजूद घर-घर जा पहुंचा। लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ मतदान किया।

जाहिर है कर्नाटक के सबक को मोदी-शाह ने पकड़ा है। विपक्ष को भ्रष्टाचारी घोषित कर वे रक्षात्मक बनाएंगे ताकि राहुल गांधी और विरोधी क्रोनी पूंजीवाद, अडानी व भ्रष्टाचार पर बोलने से रूके रहें। और सामाजिक न्याय, सांप्रदायिकता, वैकल्पिक दृष्टि, मॉडल, विकल्प, साझा प्रोग्राम की फालतू बातों में उलझें।

उस नाते लोकसभा तैयारी में विपक्ष जुटा है बावजूद इसके उसकी कहानी, स्क्रिप्ट में वह रसायन बनता हुआ फिलहाल नहीं है, जिससे एक और एक और एक ग्यारह हो तथा बात अपने आप घर-घर पहुंचने लगे।

आयुष्मान खुराना का नया गाना रातां कालियां रिलीज

आयुष्मान खुराना पिछले कुछ दिनों से अपने नाए गाने को लेकर प्रशंसकों के बीच में छाए हुए हैं। इस गाने का नाम रातां कालियां है, जिसे आयुष्मान ने अपनी आवाज दी है। अब रातां कालियां मंगलवार को रिलीज हो चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद भी किया जा रहा है। इसके बोल गुरप्रीत सैनी व गौतम शर्मा ने लिखे हैं, जबकि रातां कालियां की धुन तैयार की है आयुष्मान के पसंदीदा संगीतकार रोचक कोहली ने। आयुष्मान ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर रातां कालियां गाना साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, मेरे दिल का यह छोटा सा टुकड़ा आज से तुम्हारा है। बिल्कुल नया ट्रैक अब रिलीज हो गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान आने वाले दिनों में ड्रीम गर्ल 2 में अभिनय करते नजर आएंगे। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अनन्या पांडे के साथ बनी है। यह फिल्म 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गाने के बारे में बात करते हुए, आयुष्मान ने कहा, यह गाना भावनाओं के सार को दर्शाता है और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट का एक पसंदीदा हिस्सा बन जाएगा। मेरे बचपन के दोस्त रोचक कोहली के साथ काम करना हमेशा खुशी की बात रही है। उन्होंने आगे उल्लेख किया, जब संगीत की बात आती है तो वह मेरा घर है। वह बेहद भावुक, बहुमुखी हैं और उन्होंने इस रचना में अपनी आत्मा डाल दी है और मैं हमारी डिस्कोग्राफी में एक और विशेष गीत जोड़ने के लिए एक बार फिर उनके साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हूं। टी-सीरीज़ द्वारा निर्मित, रतन कलियाँ गाना टी-सीरीज़ के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.073

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

अंतरिक्ष में रहने का मस्तिष्क पर कैसा असर ?

जो यात्री कम समय के लिए अंतरिक्ष में गए थे, उनके मस्तिष्क में बदलाव बेहद मामूली या बिल्कुल नहीं हुआ। लेकिन शोध के दौरान छह महीने या उससे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले यात्रियों में फैलाव देखा गया।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने का मस्तिष्क पर असर होता है। इस बारे में नासा ने अध्ययन किया है। अंतरिक्ष का आकर्षण अपनी जगह है और वहां होने के खतरे अपनी जगह। अंतरिक्ष का वातावरण मानव शरीर के लिए काफी मुश्किल होता है। माइक्रोग्रैविटी के हालात और अन्य कई चीजें शरीर पर बुरा असर डालती हैं। इनमें मस्तिष्क भी शामिल है। नासा ने मानव मस्तिष्क पर अंतरिक्षीय वातावरण के असर को समझने के लिए एक अध्ययन किया है। 8 जून को नासा के विशेषज्ञों ने कहा कि जो अंतरिक्ष यात्री छह महीने से ज्यादा समय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन या नासा स्पेस शटल पर रहे हैं, उनके मस्तिष्क के बीच के हिस्से में फैलाव पाया गया। इस हिस्से को सेरिब्रल वेंट्रिकल्स कहते हैं और यह मस्तिष्क के बीचोबीच स्थित होता है। इसी में वह द्रव्य जमा होता है जो मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के बीच आता-जाता है। यह गाढ़ा बेरंग पानी जैसा द्रव मस्तिष्क के लिए तकिये जैसा काम करता है और झटका लगने पर उसे सुरक्षा देता है।

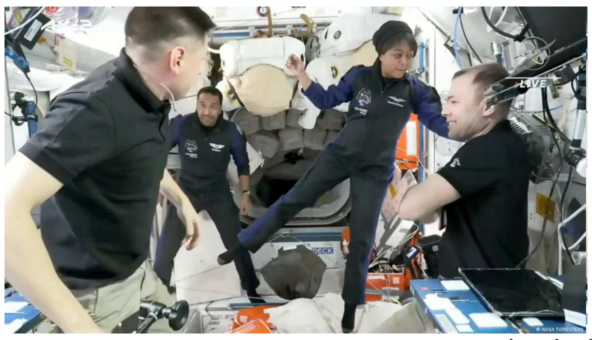

अपने अध्ययन के लिए विशेषज्ञों ने 30 अंतरिक्ष यात्रियों के मस्तिष्क का स्कैन किया। उन्होंने पाया कि ऐसी यात्राओं के बाद सामान्य होने के लिए वेंट्रिकल को तीन साल तक का वक्त लगा। इस आधार पर विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि अंतरिक्ष यात्राओं के बीच कम से कम तीन साल का अंतर होना चाहिए।

फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी में न्यूरोसाइंटिस्ट हेदर मैक्ग्रॉगर के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन के नतीजे पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए हैं। मैकग्रॉगर कहती हैं, अगर वेंट्रिकल्स को सामान्य स्थिति में लौटने के लिए समुचित समय ना मिले तो इससे मस्तिष्क की माइक्रोग्रैविटी में द्रव्य में होने वाले बदलावों से निपटने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।

वेंट्रिकल्स में बदलाव उम्र बढ़ने के साथ-साथ भी देखा जाता है। ऐसा होने पर मरीजों की सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है। अन्य शोधकर्ता राखाएल साइडलर के मुताबिक अभी यह नहीं पता है कि वेंट्रिकल्स में आने वाले बदलाव का अंतरिक्ष यात्रियों पर क्या असर होता है। वह कहते हैं, इसके लिए लंबी अवधि के ज्यादा अध्ययनों की जरूरत होगी। वेंट्रिकल के फैलने से मस्तिष्क में आसपास के उत्तक सिकुड़ सकते हैं।

अध्ययन में यह भी पता चला कि गुरुत्वाकर्षण ना होने से मस्तिष्क में बदलाव होते हैं। साइडलर बताते हैं, यह असर यांत्रिक लगता है। हमारी नाड़ियों में वॉल्व होते हैं जो हमारे शरीर के द्रवों को गुरुत्वाकर्षण के असर में पैरों की ओर बढ़ने से रोकते हैं। अगर गुरुत्वाकर्षण नहीं होगा तो उलटा होगा यानी द्रव सिर की ओर जाएंगे। इससे वेंट्रिकल्स में फैलाव होगा और मस्तिष्क खोपड़ी में ऊपर की ओर खिसक जाएगा। यह अध्ययन अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के 23 पुरुष और 7 महिला अंतरिक्ष यात्रियों पर हुआ जिनकी उम्र 47 वर्ष के आसपास थी। इनमें से आठ ने करीब दो हफ्ते तक अंतरिक्ष की यात्रा की जबकि 18 ऐसे थे जो छह महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहे। चार ने वहां करीब एक साल बिताया।(आरएनएस)

टीएचडीसी राष्ट्र निर्माण में निभा रहा है महत्वपूर्ण भूमिकाः उपाध्याय

हमारे संवाददाता

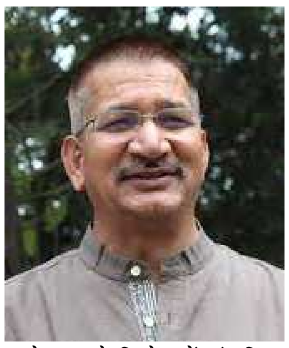

देहरादून। विधायक किशोर उपाध्याय ने टीएचडीसी स्थापना दिवस पर टीएचडीसी परिवार को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनायें प्रदान की हैं। इस मौके पर उपाध्याय ने कहा कि टीएचडीसी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के विकास को नये रूप में परिभाषित कर रहा है। उन्होने कहा कि बाँध के लिये अपना सब कुछ बलिदान करने वाले विस्थापितों व प्रभावितों के जीवन में भी उजाला आये, उसके लिये हमें संकल्पित होना चाहिये, उसमें स्थानीय जन प्रतिनिधियों का सहयोग टीएचडीसी यदि लेगा तो उनके प्रयत्नों को नये आयाम मिलेंगे। सम्भवत: लोगों को ज्ञात होगा कि टीएचडीसी का मुख्यालय यदि ऋषिकेश में स्थापित हुआ है तो उसका श्रेय मेरे साथियों, महा पंचायतों के संघर्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी को जाता है, जिसका उत्तराखंड को खूब लाभ हो रहा है। उन्होने कहा कि अब राज्य को टीएचडीसी में अपनी 25 प्रतिशत भागीदारी लेनी है, मैं भी उसके लिये कार्य करूँगा। कहा कि टीएचडीसी अब वैश्विक स्तर पर अपने पद छाप छोड़ रहा है, जिसका हमें गर्व है।

चारधाम यात्रा के दौरान कर रहा था स्मैक तस्करी, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। चार धाम यात्रा के दौरान स्मैक तस्करी कर रहे नेपाली मूल के एक व्यक्ति को पुलिस ने 24.10 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी ने बताया कि उत्तरकाशी पुलिस चारधाम यात्रा के सकुशल संचालन के साथ-साथ ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत अवैध नशा तस्करों पर भी लगाम कस रही है, एक ओर जहां पुलिस चारध ाम यात्रा एवं वर्तमान में मानसून सीजन के दृष्टिगत यात्रा व्यवस्था/रेस्क्यू कार्य में लगी हुई है तो वहीं इसका फायदा उठाकर कुछ शरारती तत्व नशीले पदार्थो की तस्करी करने का प्रयास कर रहें है। जिन पर पुलिस निगरानी बनाये हुए है। इस क्रम में एसओजी एंव कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक सूचना के तहत चुंगी बडेथी टनल के पास से नेपासी मूल के किशन ठाकुर उर्फ बबलू निवासी ढालीपुर ढकरानी विकासनगर को 24.10 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया गया है। जिसने पूछताछ में बताया कि वह इस स्मैक को देहरादून से खरीदकर लाया था, जिसको वह यहां छोटी-छोटी मात्रा में बेचने आया था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। बरामद स्मैक की कीमत 2 लाख 41 हजार रूपये आंकी गयी है।

सरकार कीडा जड़ी बेचने के लिए बनाये नीतिःमर्तोलिया

मुनस्यारी (सं)। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जहां एक ओर कीडा जडी ऑनलाईन खुलेआम बिक रही है और यहां पर सरकार कीडा जडी वालों को जेल भेज रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को इसके लिए नीति बनानी चाहिए। आज यहां उत्तराखंड सरकार कीड़ा जड़ी (यारसागंबू) का व्यापार करने वालों को सलाखों के पीछे जेल भेज रही है। वहीं दुनिया के ऑनलाइन बाजार में कीड़ा जड़ी और उसके उत्पाद धड़ल्ले से बिक रहे है। कीड़ा जड़ी को खुले बाजार में बिक्री का अधिकार नहीं दिए जाने से नाराज जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ईमेल के माध्यम से ज्ञापन भेजकर इसके लिए नीति बनाने की मांग की। उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र में कीड़ा जड़ी एक मुख्य व्यवसाय बन गया है। उत्तराखंड सरकार ने वन पंचायतों को कीड़ा जड़ी खोजने के लिए संग्रहण करने के लिए अनुमति पत्र बनाने का अधिकार आज से 15 साल पहले वर्ष 2008 में दे दिया था। उत्तराखंड सरकार आज तक कीड़ा जड़ी को खुले बाजार में बेचने की अनुमति के मामले में फिसड्डी साबित हुई है। सरकार ने वन विभाग, वन निगम, भेषज संघ को खरीद का अधिकार वर्ष 2012 में दिया था। इनके द्वारा एक दो साल कीड़ा जड़ी खरीदी गई। इन संस्थाओं के द्वारा कीड़ा जड़ी भरपूर मात्रा में भी नहीं खरीदा गया। केवल कुछ किलो खरीद कर खानापूर्ति कर दी गई। अगर आज आप दुनिया के ऑनलाइन व्यापार कंपनी के साइट को देखें तो अमेजन, फ्लिपकार्ट सहित कई कंपनियां कीड़ा जड़ी तथा और उसके उत्पादों को आपके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था कर रहे है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज प्रदेश के सीएम धामी को ज्ञापन भेजकर कीड़ा जड़ी को खुले बाजार में बेचने की अनुमति के लिए शीघ्र अध्यादेश जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कीड़ा जड़ी को खुले बाजार में बिक्री की अनुमति देकर सीमांत क्षेत्र में चीन तथा नेपाल सीमा में रहने वाले लोगों की आजीविका को बढ़ाया जा सकता था।

चोरी का खुलासा, 12 लाख रुपये के जेवरात के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए 12 लाख कीमत के जेवरातों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि श्रीमती सुप्रिया बिष्ट निवासी टिहरी विस्थापित कॉलोनी लक्कड़ घाट रोड श्यामपुर ऋषिकेश द्वारा 24 को वह अपने परिवार सहित गंगोत्री उत्तरकाशी घूमने के लिए गई थी। 25 को उनकी सहेली द्वारा उन्हें फोन कर घर के ताले टूटे होने के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी, जिस पर उनके द्वारा वापस ऋषिकेश आकर देखा तो घर के ताले टूटे हुए थे तथा घर के अन्दर का समान बिखरा पडा था। अज्ञात चोर द्वारा घर के अन्दर से वादी तथा उनकी बहन के सोने तथा हीरे के आभूषण व 5000 रूपये नगद चोरी कर लिये गये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान एक विक्रान्ता बाइक पर सवार दो संदिग्धों द्वारा घटना को अंजाम दिया जाना ज्ञात हुआ। पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई कि घटना में जिस विक्रान्ता बाइक का इस्तेमाल किया गया था ऐसी ही एक विक्रान्ता बाइक पूर्व में चोरी के आरोप में पकड़े गये एक युवक के पास भी है, जो बहादराबाद जनपद हरिद्वार का रहने वाला है। पुलिस टीम द्वारा बहादराबाद में जाकर संदिग्ध के सम्बन्ध में गोपनीय रूप से जानकारी एकत्रित करते 11 जुलाई 2023 को सूचना पर ग्राम बौग्लां (बहादराबाद) जनपद हरिद्वार के पास से दो लोगों को घटना उपरोक्त से संबंधित 12 लाख रूपये की के सोने के जेवरात एवम् घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन विक्रांता मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम किरनपाल उर्फ रिकूं पुत्र घसीटाराम निवासी मौहल्ला कडच्छ ज्वालापुर, विजेन्द्र पुत्र जातिराम निवासी ग्राम सलोनीपीर माजरा थाना देवबन्द जिला सहारनपुर उत्तरप्रदेश हाल निवासी महादेवपुरम बहादराबाद, बताया। पूछताछ में उनकें द्वारा बताया गया कि हम दोनो नशे के आदी हैं तथा कोई काम धन्धा न होने के कारण अपने नशे व अन्य जरूरतों की पूर्ती के लिये हम चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने बताया कि विजेन्द्र को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा हो रखी है वर्तमान में वह जमानत पर छूटकर आया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

भारी बारिश के बीच गांधी पार्क में मौन सत्याग्रह पर बैठे कांग्रेसी

हमारे संवाददाता

देहरादून। मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष पर लगे आरोपों से नाराज आज प्रदेश कांग्रेसियों द्वारा भारी बारिश के बीच गाधी पार्क में मौन सत्याग्रह किया गया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के ऊपर लगे अर्नगल आरोपों और दमनकारी फैसलों से नाराज कांग्रेस पार्टी आज देश व्यापी मौन सत्याग्रह कर रही है। इस कड़ी में उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस द्वारा देहरादून के गांधी पार्क में राहुल गांधी के समर्थन में मौन सत्याग्रह कर धरना दिया गया है। धरने में भारी बारिश के बावजूद प्रदेश अध्यक्ष करन महरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, केंद्रीय पर्यवेक्षक दीपिका पांडे , पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व राज्य सभा सांसद प्रदीप टम्टा, विधायक हरीश धामी, अनुपमा रावत, विक्रम सिंह,रवि बहादुर ,पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण, राजकुमार मथुरा दत्त जोशी, गरिमा दसौनी, अमरजीत सिंह, विशाल मौर्य, महानगर अध्यक्ष जसविंदर गोगी, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, ज्योति रौतेला, हेमा पुरोहित, गोदावरी थापली सहित अन्य कई कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूसीसी के विरोध में नुमाइन्दा ग्रुप ने किया राजभवन कूच

हमारे संवाददाता

देहरादून। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विरोध में आज नुमाइन्दा ग्रुप द्वारा राजभवन कूच कर एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया गया है।

दून में हो रही भारी बारिश के बीच आज अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत नुमाइन्दा ग्रुप द्वारा राजभवन कूच किया गया। जिन्हे पुलिस ने बेरिकेटिंग लगाकर हाथी बड़कला पुलिस चौकी के समीप रोका गया। जिस पर नुमाइन्दा ग्रुप द्वारा वहीं सरकार द्वारा राज्य में लागू किये जा रहे यूसीसी कानून का विरोध कर नारेबाजी की गयी। जिसके बाद एसडीएम ने मौके पर पहुंचे जिन्हे ग्रुप द्वारा राज्यपाल के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया।

ज्ञापन के माध्यम से नुमाइन्दा ग्रुप का कहना है कि उक्त कानून को राज्य में लागू किये जाने की न तो आवश्यकता है और न ही यह तर्क संगत है। उनका कहना है कि इस कानून को राज्य में लागू किये जाने की दशा में सभी धर्मो व जातियों की धार्मिक व रीति रिवाजों तथा परम्पराये जो भिन्न-भिन्न है प्रभावित होगीं। और समाज में इससे एकता की बजाय अनेकता व वैमन्स्यता का माहौल उत्पन्न होगा। जो राज्य के विकास व सदभाव में बाधक बनेगा।

ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से मांग की गयी है कि आप अपने विवेक व स्तर से इस कानून को राज्य में लागू न किये जाने के सम्बन्ध में ठोस कार्यवाही करें तथा इस सम्बन्ध में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाये। ज्ञापन देने वालों में पूर्व बार काउन्सिल आफ उत्तराखण्ड अध्यक्ष रजिया बेग, तन्जीमें रहनुमाये मिल्लत केन्द्रीय अध्यक्ष लताफत हुसैन, पूर्व राज्यमंत्री याकूब सिद्दीकी, अकील अहमद सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

डकैती की योजना बनाते..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

डालने के प्रयोजन से उक्त स्थान पर एकत्रित होना बताया गया। सभी को मौके से गिरफ्तार किया गया, जिनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वे सभी मूलरूप से गोंडा उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तथा गैंग बनाकर टप्पेबाजी व अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं।

एक नजर

एरोनिक्स इंटरनेट कंपनी के सीईओ और एमडी की हत्या

बेंगलुरु। एरोनिक्स इंटरनेट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वीनू कुमार और एमडी फणींद्र सुब्रमण्या की एक पूर्व कर्मचारी ने हत्या कर दी। आरोपियों ने उनके ऑफिस में घुसकर उन पर तलवार से हमला कर दिया। डीसीपी नॉर्थ-ईस्ट बेंगलुरु, लक्ष्मी प्रसाद ने जानकारी दी है कि अस्पताल ले जाते समय दोनों की मौत हो गई। हमलावर का नाम फेलिक्स बताया जा रहा है। वो इस घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। आरोपी फेलिक्स पहले एयरोनिक्स में काम करता था लेकिन उसने अपनी खुद की कंपनी बनाने के लिए नौकरी छोड़ दी,

जिसे एक प्रतिद्वंद्वी व्यवसाय कहा जाता है। मृतक उसके कारोबार में कथित रूप से अड़ंगा डाल रहे थे। इसी कारण फेलिक्स उनसे काफी नाराज था और उनकी हत्या कर दी। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर फरार आरोपी की जांच में जुटी गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ऑफिस के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की पत्नी सीता दाहाल की हृदयघात से निधन

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पत्नी सीता दाहाल (69) का निधन हो गया। बुधवार सुबह नेपाल के समयानुसार 8:33 बजे उन्होंने नारविक अस्पताल में अंतिम सांस ली। नारविक अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा।

सीता दाहाल लंबे समय से अस्वस्थ थीं। उनका भारत समेत कई देशों में इलाज कराया गया। उनके परिवार में पति प्रचंड, दो बेटियां गंगा और रेनू दाहाल हैं। रेनू दाहाल वर्तमान में भरतपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी की मेयर हैं। पुत्र प्रकाश दाहाल और बेटी ज्ञानू केसी का निधन हो चुका है। पुत्र की मौत के बाद वो सदमे में थीं। वो अपने पति प्रचंड के राजनीतिक सफर में खास सहयोगी रही हैं। सीता का अंतिम संस्कार दोपहर में काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर के आर्यघाट पर किया जाएगा।

दारा सिंह की 11वीं पुण्यतिथि पर बीजेपी विधायक ने दी श्रद्धांजलि

इंदौर। रामानंद सागर की 'रामायण' आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। इसके हर एक किरदार को खूब प्यार मिला, यहां तक कि लोगों ने शो से जुड़े कलाकारों को भागवान का दर्जा तक दे दिया गया था। इसी शो में अखाड़े से

निकलकर फिल्मों और टीवी शो का रुख करने वाले दारा सिंह के हनुमान का रोल आज भी लोगों के जहन में है। आज उनकी पुण्यतिथि पर बीजेपी नेता ने ट्वीट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बीजेपी विधायक कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर लिखा कि पांच सौ कुश्ती मुकाबलों में अपराजित रहने वाले, फ्रीस्टाइल कुश्ती के विश्व चैम्पियन व फिल्म अभिनेता श्री दारा सिंह जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान विमान के कॉकपिट का हिस्सा रनवे से टकराया

बेंगलुरु। बेंगलुरु के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा टल गया। मंगलवार को यहां एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। विमान के नोज लैंडिंग गियर में तकनीकी समस्या आ गई थी। जिसके बाद पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। इस दौरान विमान के कॉकपिट का हिस्सा रनवे से टकरा गया। घटना का वीडियो सामने

आया है। वायर प्रीमियर 1ए एयरक्राफ्ट मंगलवार को एचएएल हवाईअड्डे से बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की ओर जा रहा था। वीडियो में देखा जा सकता है कि एचएएल हवाईअड्डे पर लैंडिंग के दौरान काफी दूर तक विमान ठीक तरीके से आगे बढ़ता रहा। इसी दौरान रनवे पर पानी के एक पूल को पार करते समय विमान अनबैलेंस हो गया और रनवे से टकरा गया। घटना के समय विमान में दो पायलट थे और कोई यात्री नहीं था। 15 जून को भी बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रहे इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया था। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया।

राज्यपाल ने किया उत्तराखण्ड विधानसभा के नवनिर्मित पुस्तकालय व वेबसाइट का लोकार्पण

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नवनिर्मित पुस्तकालय एवं नवीन वेबसाइट का लोकार्पण किया।

आज यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने विधानसभा में उत्तराखण्ड विधानसभा के नवनिर्मित पुस्तकालय एवं नवीन वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विध ानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहे। नवनिर्मित पुस्तकालय में लगभग 20 हजार से ऊपर पुस्तकों का समावेश किया गया है। इस विशिष्ट पुस्तकालय में संविधान एवं कानून, लोक प्रशासन और सामान्य ज्ञान सहित विभिन्न विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ-साथ देश-विदेश के प्रमुख लेखकों की पुस्तकों का भी समावेश किया गया है जो ई-लाइब्रेरी के रूप में डिजिटल और प्रिंट दोनों रूपों में उपलब्ध रहेगी। राज्यपाल ने अपनी ओर से विधानसभा पुस्तकालय हेतु 108 पुस्तकें देने की घोषणा की। पुस्तकालय एवं वेबसाइट के लोकार्पण के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर में माँ सरस्वती के मंदिर की स्थापना किया जाना अपने आप में अलग है। राज्यपाल ने पुस्तकालय की स्थापना के लिए विध ानसभा अध्यक्ष को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड विधानसभा के विध ायकगणों को जहां एक ओर संसदीय कार्यों में सहायता मिलेगी वहीं दूसरी ओर पुस्तकालय में उपलब्ध विशिष्ट पुस्तकों के अध्ययन से उन्हें सामाजिक कार्यों में भी लाभ होगा। राज्यपाल ने कहा कि इसके साथ-साथ टेक्नोलॉजी को अपनाते हुए नवीन वेबसाइट को अपडेट और आधुनिक बनाया है। तकनीकी का विकास बहुत बड़े स्तर पर प्रारंभ हो गया है, हमें आधुनिक तकनीक को मानवता की सेवा, देश की प्रगति और लोगों की भलाई के लिए हर क्षेत्र में लागू करना होगा। वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजीटाइजेशन, सोशल मीडिया और मास मीडिया के साथ जुड़ना बहुत जरूरी है। आधुनिक भारत, विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को पूरा करने के लिए नवीन तकनीकों का अपनाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विधानसभा में नवनिर्मित पुस्तकालय के लोकार्पण एवं नवीन वेबसाइट लांच होने से यहां पर संसदीय परंपराओं के ज्ञान एवं अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक जानकारियों के लिए विधानसभा में लोगों को एक ऐसा स्थान मिल गया है, जहां पर ज्ञान वर्द्धन कर सकते हैं।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, सभापति पुस्तकालय समिति शहजाद सहित अनेक विधायकगण, उच्चाधिकारी एवं विधानसभा के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

छह इंस्पेक्टरों के तबादले, राकेश गुसाईं बने शहर कोतवाल

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी ने छह इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए राकेश गुसाईं को शहर कोतवाल का कार्यभार सौंपा। आज यहां डीआईजी/एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने छह इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र में फेंरबदल करते हुए राकेश गुसाईं को शहर कोतवाल का कार्यभार सौपा वही विद्याभूषण नेगी को शहर कोतवाली से एसआईएस शाखा पुलिस कार्यालय भेजा गया। डोईवाला कोतवाल राजेश शाह को डालनवाला कोतवाली का कार्यभार सौपा वहीं एसओजी प्रभारी मुकेश त्यागी को डोईवाला कोतवाली का कार्यभार सौंपा। डालनवाला कोतवाल नन्द किशोर भटट को एसओजी प्रभारी बनाया गया। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये हैं।

विवेक स्वरूप को निदेशालय कोषागार से किया सम्बद्ध

देहरादून (सं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने मुख्य वित्त अधिकारी चिकित्सा शिक्षा निदेशालय विवेक स्वरूप को निदेशालय कोषागार पेंशन से सम्बद्ध कर दिया है। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखण्ड वित्त सेवा संवर्ग के अधिकारी विवेक स्वरूप, मुख्य वित्त अधिकारी, चिकित्सा शिक्षा निदेशालय देहरादून को तत्काल प्रभाव से वर्तमान में आवंटित समस्त पदभार से अवमुक्त करते हुए निदेशालय कोषागार पेंशन एवं हकदारी देहरादून में अग्रिम आदेशों तक सम्बद्ध किया जाता है।

कार नदी में गिरी एक की मौत, दो घायल, दो लापता

हमारे संवाददाता

पौड़ी। सड़क दुर्घटना में देर रात एक कार के नदी में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौत हो गयी वहीं दो लोग घायल हुए है। कार में पांच लोग सवार थे जिनमें से दो लापता बताये जा रहे है। जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात थाना कोटद्वार पुलिस को सूचना मिली कि एक सेंट्रो कार लाल पुल से थोड़ा ऊपर दुगड्डा के बीच में नदी में गिर गई है, जिसमें 5 लोग सवार हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर मय उपकरण लेकर पहुंचा गया। एसडीआरएफ व पुलिस टीम द्वारा चलाये गये रेस्क्यू अभियान के चलते नदी में से एक व्यक्ति गुलशेर को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार जारी है। साथ ही कार में सवार एक अन्य व्यक्ति जो बीच नदी में फंसा था को मध्य रात्रि में सकुशल रेस्क्यू किया गया। अन्य 3 व्यक्तियों में से एक का शव आज सुबह नदी से बरामद हुआ। अन्य दो लोगों की तलाश में सर्च अभियान लगातार चल रहा है। घायलों के नाम गुलशेर (31) पुत्र अनवर, निवासी ग्राम बसेड़ा, थाना किरतपुर जनपद बिजनौर, मुशर्रफ पुत्र रज्जवअली निवासी मेनन सादात थाना कीरतपुर बिजनौर है। जबकि मृतक व्यक्ति का नाम इशरार पुत्र सुके निवासी ग्राम बनेड़ा बिजनौर बताया जा रहा है। वहीं लापता हुए लोगों में सीम पुत्र यामीन निवासी ग्राम बसेड़ा थाना किरतपुर जनपद बिजनौर व शहाबुद्दीन निवासी मेमन बनेड़ा बिजनौर शामिल है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।